University in News on 21 December 2020

HINDUSTAN PAGE 6

आज तक यह नहीं पता वो प्रदर्शन किसलिए हुआ था

लखनऊ विश्वविद्यालय 100 साल
कुछ यादें कुछ किस्से 32

1965 की बात है। एक सुबह अचानक कुछ छात्रनेता टाइप लड़के आ गए। हम सुभाष छात्रावास का प्रेसिडेंट थे। बोले, मार्च निकलना है...तुम भी चलो। कुछ नहीं बताया क्या मामला है? हम भी चल दिए अपनी टीम लेकर। छात्र एकता जिंदाबाद के नारे लगने लगे। कैंपस से जुलूस निकला। मंकी ब्रिज को पार करके कैथेड्रल के पास पहुंचे। पुलिस ने रोका। लड़के कहां रुकने वाले थे। नारे और तेज हो गए। उसके बाद जो लाठियां बरसी, क्या बताएं? भगदड़ मच गई। जान बचाकर भागे। आजकल जहां मार्क्समैन हैं उसके पास पहले बैक इन ए डेट नाम की जानीमानी लैंड्री हुआ करती थी। वहां छिपाया गया। जैसे तैसे अपने छात्रावास पहुंचे तब जान में जान आई। इतना सबकुछ हुआ लेकिन, आजतक ये नहीं पता कि आखिर वो प्रदर्शन हुआ क्यों था?
1961 में लखनऊ विश्वविद्यालय में बीए में दाखिला लिया। फर्रुखाबाद से आया था। सुभाष देश दीपक।

छात्रावास में रहने को मिला। उस समय ग्लास की बोतल में दूध आता था। दूधवाले कमरे के बाहर रख जाते। नियम से विश्वविद्यालय की एक चक्कर लगाते और उसके बाद क्लास में जाते थे। ऐसा कोई थिएटर नहीं था कि छोड़ा हो और अंग्रेजी फिल्म समझ में भले ही न आए लेकिन देखने जाना बहुत जरूरी थी। अरे, शान की बात हुआ करती थी। अंग्रेजी के छात्र को अंग्रेजी नहीं आती ये पता चलता तो और बेइज्जती होती। विश्वविद्यालय में 1961 से 66 तक रहने के मौका मिला। वायु सेना से सेवानिवृत्त हुए भी करीब 18 साल हो गए हैं। लेकिन आज भी जब कैंपस से गुजरता हूं तो पुरानी यादें ताजा हो जाती हैं।

- देश दीपक, 1961 बैच, एयर कमोडोर के पद से सेवानिवृत्त

i-NEXT PAGE 2

एलयू से संबद्ध होने वाले नए कॉलेजों के सामने होंगी कई चुनौतियां

सेमेस्टर का समझना होगा गणित

i SPECIAL

LUCKNOW (20 Dec, inext): अगले सेशन 2021-22 में लखनऊ यूनिवर्सिटी करीब सवा तीन लाख स्टूडेंट्स को एडमिशन देगी, जो यूनिवर्सिटी के लिए एक रिकॉर्ड होगा. नए सेशन से करीब दो लाख नए स्टूडेंट्स एलयू से जुड़ेंगे. जिन कॉलेजों के स्टूडेंट्स यहां एडमिशन लेंगे, उन्हें भी खुद को अपडेट करने का मौका मिलेगा. इसका कारण यह है कि कानपुर यूनिवर्सिटी में एनुअल सिस्टम से पढ़ाई होती है, वही एलयू में सेमेस्टर सिस्टम लागू होता है.

361 नए कॉलेज जुड़े हैं एलयू से
02 लाख नए स्टूडेंट जुड़ेंगे एलयू से
175 कॉलेजों में एलयू अभी करता रहा है एग्जाम

दिसंबर 2021 में पहला सेमेस्टर एग्जाम

इन सभी नए 361 कॉलेजों में दिसंबर 2021 में पहला सेमेस्टर एग्जाम होगा. एलयू प्रशासन का जोड़ है कि पहले साल इन सभी कॉलेजों को एकेडमिक तौर पर जितनी हेल्प हो सके की जाए. जिसे इन कॉलेजों को सेमेस्टर पैटर्न लागू करने में कोई प्रॉब्लम न हो. जानकारों का कहना है कि एलयू मौजूदा समय में 175 कॉलेजों का एग्जाम करता आ रहा है.

लखनऊ यूनिवर्सिटी में नए सेशन में होंगे करीब सवा तीन लाख स्टूडेंट्स के एडमिशन

कॉलेजों को अपने आप को करना होगा अपग्रेड

हरदोई, सीतापुर, लखीमपुर और रायबरेली के करीब 361 कॉलेजों में नए सेशन से एलयू अपने एकेडमिक सेशन से क्लास चलाएगा. इन कॉलेजों को खुद को सेमेस्टर सिस्टम के अनुसार अपग्रेड करना होगा. इसके लिए इन कॉलेजों को अपने यहां संचालित कोर्सेज को एलयू के विभिन्न डिपार्टमेंट के बोर्ड ऑफ स्टडीज से पास सिलेबस और टीचिंग पैटर्न को अपने यहां पर लागू करना होगा. साथ ही इनको सेशनल और इंटरनल एग्जाम के लिए भी पूरा सिस्टम डेवलप करना होगा. इन सभी 361 कॉलेजों को अगले दो सालों तक एनुअल और सेमेस्टर दोनों ही पैटर्न पर संचालित होना है.

CONCEPT PIC

नैक कराने के लिए कहेगा एलयू

वहीं एलयू सभी कॉलेजों की इंफ्रास्ट्रक्चर और क्वालिटी में सुधारने के लिए सभी कॉलेजों को नैक मूल्यांकन के लिए कहेगा. इसके लिए कॉलेजों को एलयू के ओर से जो भी मदद होगा वह मुहैया कराया जाएगा.

डिपार्टमेंट से मदद लें कॉलेज

सभी नए कॉलेजों को एलयू के कॉलेज डेवलपमेंट काउंसिल सीडीसी के ओर से हर संभव मदद मुहैया कराया जाएगा. साथ कॉलेजों को अगर अपने टीचर्स के ट्रेनिंग और दूसरी चीजों में हेल्प की जरूरत होगी तो वह सीडीसी के माध्यम से सम्बन्धित डिपार्टमेंट में संपर्क कर हेल्प ले सकते हैं. इसके अलावा सीडीसी के ओर से जून से पहले इन सभी कॉलेजों के लिए एक व्यापक स्तर पर अवेयरनेस प्रोग्राम भी चलाया जाएगा. जिसे यह कॉलेज आसानी से एलयू के सिस्टम को समझ सकें.

एलयू से जुड़े नए कॉलेजों को खुद को सेमेस्टर सिस्टम के अनुसार अपग्रेड करना होगा.